इस प्रश्न-पत्र में 30 प्रश्न [खण्ड 'क' (20) + खण्ड 'ख' (5) + खण्ड 'ग' (5)] तथा 8 मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No.
अनुक्रमांक

Code No.
कोड नं. **64/OSS/2**

SET/सेट **A**

HINDI

हिन्दी

(301)

Day and Date of Examination :

(परीक्षा का दिन व दिनांक) ____________________

Signature of Invigilators :

(निरीक्षकों के हस्ताक्षर) **1.** ____________________

2. ____________________

सामान्य अनुदेश :

1. परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

2. कृपया प्रश्न-पत्र को जाँच लें कि प्रश्नपत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है। इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।

3. उत्तर-पुस्तिका में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जायेगा।

4. अपनी उत्तर-पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र की कोड संख्या **64/OSS/2-A** लिखें।

HINDI

हिन्दी

(301)

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश : (i) इस प्रश्न-पत्र में **तीन** खण्ड हैं – खण्ड 'क', खण्ड 'ख' और खण्ड 'ग'।

(ii) खण्ड 'क' के **सभी** प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

(iii) खण्ड 'ख' और खण्ड 'ग' में से **केवल एक खण्ड** के प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

(iv) खण्ड 'क' **85** अंकों का और खण्ड **'ख' अथवा** खण्ड **'ग' 15** अंकों का है।

खण्ड - क

1. (क) निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **4**

आँधियाँ नहीं जिसमें उमंग भरती हैं,
छातियाँ जहाँ संगीनों से डरती हैं,
शोणित के बदले जहाँ अश्रु बहता है,
वह देश कभी स्वाधीन नहीं रहता है,
पकड़ो अयाल, अन्धड़ पर उछल चढ़ो रे!
किरिचों पर अपने तन का चाम मढ़ो रे!

अथवा

सुनि मुनि बचन राम रुख पाई।
गुरु साहिब अनुकूल अघाई।
लखि अपने सिर सबु छरू भारू।
कहि न सकहिं कछु करहिं बिचारु।।
पुलकि सरीर सभाँ भए ठाढ़े।
नीरज-नयन नेह जल बाढ़े।।
कहव मोर मुनिनाथ निबाहा।
एहि तें अधिक कहौं मैं काहा।
मैं जानउँ निज नाथ सुभाऊ।
अपराधिहु पर कोह न काऊ।।

(ख) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों का काव्य सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : **2**

हरि सा हीरा छाड़ि करि।

करैं आन की आस।

ते नर जमपुरि जाइसी

सति भाषै रैदास।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **35 - 35** शब्दों में दीजिए : **2+2=4**

(क) तुलसीदास की तीन महत्वपूर्ण रचनाओं का उल्लेख करते हुए उनके काव्य के भाव सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए।

(ख) मीरां की भक्ति-भावना पर टिप्पणी कीजिए।

(ग) 'परशुराम के उपदेश' कविता का मूल भाव क्या है?

3. निम्नलिखित काव्यपंक्तियों में निहित छंद और रस का नाम बताइए। **1+1=2**

बाहिर लैकै दियवा, बारन जाय।

सासुननद ढिग पहुँचत, देत बुझाय।।

4. 'कठपुतली' **अथवा** 'मुझे कदम-कदम पर' कविता का केन्द्रीय भाव लगभग **35 - 35** शब्दों में लिखिए। **2**

5. सन्त काव्यधारा **अथवा** कृष्ण काव्यधारा की **दो** विशेषताएँ बताइए। **2**

6. पठित पाठ के आधार पर आचार्य रामचन्द्र शुक्ल **अथवा** मन्नू भण्डारी की भाषा-शैली की **दो** विशेषताएँ बताइए। **2**

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का उत्तर लगभग **50 - 50** शब्दों में दीजिए। **3+3=6**

(क) 'दो कलाकार' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'मन में समाहित' 'जीवन की लालसा' मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति है। 'जिजीविषा की विजय' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ के आधार पर उसके शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **4**

क्रोध के प्रेरक के दो प्रकार के दु:ख हो सकते हैं अपना दु:ख और पराया दु:ख। जिस क्रोध के त्याग का उपदेश दिया जाता है वह पहले प्रकार के दु:ख से उत्पन्न क्रोध है। दूसरे के दु:ख पर उत्पन्न क्रोध बुराई की हद के बाहर समझा जाता है। क्रोधोत्तेजक दु:ख जितना ही अपने सम्पर्क से दूर होगा, उतना ही लोक में क्रोध का स्वरूप सुन्दर और मनोहर दिखाई देगा।

अथवा

अजीब उलझन थी, पर समाधान क्या था? मैं दोनों को देख रहा था, देखता रहा और तब मेरे मन में आया कि जो परिस्थितियों के अनुसार हिलता, झुकता नहीं, वह वीर नहीं, जड़ है, क्योंकि हिलना और झुकना ही जीवन का चिह्न है।

9. (क) नायक सिंह की मृत्यु के बाद राजगद्दी किसे मिली? **1**

(ख) विराटा के पतन के बाद, अलीमदीन द्वारा पीछा किए जाने पर कुमुद ने क्या किया? **1**

10. (क) 'विराटा की पद्मिनी' उपन्यास की भाषा-शैली पर एक नोट लिखिए। **3**

अथवा

'विराटा की पद्मिनी' उपन्यास के परिवेश का चित्रण कीजिए।

(ख) 'छोटी रानी' के चरित्र की **तीन** विशेषताएँ लिखिए। **3**

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

अपनी कहानियों में प्रेमचंद शहरी शिक्षितों की असभ्यता और ग्रामीण अशिक्षितों की सभ्यता का रहस्य खोलते हैं। उनके स्त्री पात्रों में भी अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की शक्ति, दृढ़ता और चेतना है, जो झुकने को तैयार नहीं। लगभग सौ वर्ष पूर्व लिखी गई कहानियों की ये स्त्रियाँ आज इक्कीसवीं सदी के लिए भी प्रेरक हो सकती हैं। घासवाली कहानी की मुलिया नए युग की स्त्री-स्वतंत्रता और अस्मिता-बोध की तस्वीर है और उच्च वर्ग के पुरुषों के शोषण और अत्याचार तथा कामुकता के विरुद्ध उठ खड़ी होती है। वह ठाकुर को साफ-साफ समझा देती है कि वह दलित है तो इसका यह अर्थ नहीं है कि स्त्री के रूप में उसकी कोई मर्यादा नहीं है। वह बड़े घरों के पुरुषों और स्त्रियों की कलइ खोलती है, उसमें भारतीय स्त्रीत्व के प्रति परंपरागत निष्ठा और प्रेम है, पर वह पति की दासी नहीं, समानता का अधिकार रखती है। कहती है – 'यदि वह मेरी छाती पर मूँग दलेगा तो मैं उसकी छाती पर दलूँगी।' उसमें नई और पुरानी नारी का मेल है और दलित स्त्री की एक नई छवि है। दलित अधिकार-चेतना से संपन्न वह नए युग की नई दलित स्त्री है। आज की नारी चेतना और दलितों की अधिकार चेतना के बीज प्रेमचंद की कहानियों में विद्यमान है।

(क) प्रेमचंद अपनी कहानियों में कैसा रहस्य खोलते दिखाई पड़ते है? **2**

(ख) प्रेमचंद के स्त्री-पात्रों की क्या विशेषता है? **2**

(ग) मुलिया को नए युग की स्त्री-स्वतंत्रता की तस्वीर क्यों कहा गया है? **2**

(घ) मुलिया के व्यक्तित्व के दो गुण लिखिए। **2**

(ङ) किस कथन से व्यक्त होता है कि मुलिया पति से समानता का अधिकार रखती है? **2**

(च) इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। **1**

12. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

चलते चलो, चलते चलो,
सूरज के संग-संग चलते चलो, चलते चलो।
तम के जो बंदी थे, सूरज ने मुक्त किए,
किरणों से गगन पोंछा, धरती को रंग दिए,
सूरज को विजयी मिली ॠतुओं की, रात हुई।
कह दो इन तारों से चंदा के संग-संग चलो, चलते चलो।
रत्नमयी वसुधा पर चलने को चरण दिए
बैठी उस क्षितिज पार लक्ष्मी शृंगार किए।
मानव जिस ओर गया नगर बने, तीर्थ बने।
तुमसे है कौन बड़ा? गगन-सिंधु मित्र बने।
भूमि का भोगो सुख, नदियों का सोम पिओ,
त्यागो सब जीर्ण वसन, नूतन के संग-संग चलो।

(क) कवि क्या करने को कह रहा है? **1**

(ख) सूरज ने क्या काम किए हैं? **1**

(ग) हमें चरण किसलिए मिले हैं? **1**

(घ) मानव जिधर गया उधर उसने क्या किया? **1**

(ङ) अंतिम दो पंक्तियों में कवि क्या करने को कहता है? **1**

13. निम्नलिखित विषयों में से **किसी एक** का भाव पल्लवन कीजिए : **3**

(क) अधिकार नहीं कर्तव्य बड़ा है।

(ख) सब दिन न होत एकसमान।

14. जब पहली बार आपने गहरे पानी में नाव से यात्रा की, आपको कैसा लगा? अपने अनुभव संक्षेप में लिखिए। **2**

15. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : **1x5=5**

(क) विशेषण बताइए :

हवा जोर जोर से चल रही है।

(ख) निम्नलिखित में से **दो** विदेशी भाषा के शब्द छाँटिए :

रात्रि, बजूद, आँसू, मुताबिक, संक्रमण, संगरोध, हैसियत, आरजू

(ग) विराम-चिह्न लगाइए :

शाम अब तुम खेलों

(घ) ईद का चाँद होना **अथवा** 'आँखों का तारा' मुहावरे का अर्थ बताकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(ङ) किन्हीं **दो** शब्दों की वर्तनी शुद्ध कीजिए :

कृप्या, जाग्रति, प्रीक्षा, दुरदशा

16. निम्नलिखित अवतरण का सार लगभग **एक तिहाई** शब्दों में लिखिए और **एक** शीर्षक भी दीजिए : **3+1=4**

संसार में धर्म की दुहाई सभी देते हैं, पर कितने लोग ऐसे हैं जो धर्म के वास्तविक स्वरूप को पहचानते हैं। धर्म कोई बुरी चीज नहीं है। धर्म की एक ऐसी विशेषता है जो मनुष्य को पशुओं से भिन्न करती है, अन्यथा मनुष्य और पशु में अन्तर ही क्या है? अत: धर्म को समझने की जरूरत है। धर्म में त्याग की महत्ता है। इसमें त्याग और कर्तव्य निहित है। त्याग परिवार के लिए, ग्राम के लिए, नगर के लिए, देश के लिए और मानव मात्र के लिए भी हो सकता है। परिवार से मनुष्य मनुष्य मात्र तक पहुँचते-पहुँचते हम एक संकुचित घेरे से निकल कर विशाल परिधि में घूमने लगते हैं। यही वह क्षेत्र है, यहाँ देश और जाति की सभी दीवारें गिरकर चूर-चूर हो जाती हैं। यह वही क्षेत्र यहाँ मनुष्य संसार भर को अपना परिवार और अपने आपको उसका सदस्य समझने लगता है। भावना के इस विस्तार ने ही धर्म को विस्तार स्वरूप दिया है जिसकी कोई निर्मल हृदयी सन्त ही पहचान कर सकता है।

17. प्रारूपण की विशेषताएँ बताइए। **3**

अथवा

प्रतिवेदन के मुख्य तत्व क्या है?

18. पर्यटनशील राज्य हिमाचल प्रदेश में भारतीय एवम् विदेशी पर्यटकों की आमद दी गई है। इन आँकड़ों को उपयुक्त ग्राफ में प्रदर्शित कीजिए। **4**

वर्ष	भारतीय पर्यटक (लाखों में)	विदेशी पर्यटक (लाखों में)
2015	55.3	8.5
2016	60.4	12.6
2017	72.3	14.9
2018	80.9	16.2
2019	82.6	17.1

19. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए : **8**

(क) अशिक्षा एवम् अन्धविश्वास

(ख) महामारी और टीकाकरण

(ग) भारत की स्वास्थ्य प्रणाली

(घ) सहशिक्षा

20. आप जिस क्षेत्र में रहते है, वहाँ अभी तक अस्पताल नहीं खुला है। किसी दैनिक समाचार पत्र के पत्र स्तंभ 'पाठकों के लिए' में पत्र लिखिए जिसमें नया अस्पताल खोलने का अनुरोध किया गया हो। **4**

खण्ड - ख

(सूचना प्रौद्योगिकी और हिन्दी)

21. संचार क्रान्ति के मुख्य कारणों की संक्षेप में चर्चा कीजिए। **3**

22. निम्नलिखित शब्दों में से **किन्हीं दो** के अर्थ स्पष्ट कीजिए। **½+½=1**

फोटो फीचर, समाचार एजेंसी, कापीराइट

23. (क) फीचर क्या होता है? फीचर किस उद्‌देश्य से लिखा जाता है? **2**

(ख) अखबार में संपादकीय क्या है? स्पष्ट कीजिए। **2**

24. विज्ञापन किसे कहते हैं? विज्ञापन की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए। **3**

25. (क) पीटीआई क्या है? इसके कार्यों का उल्लेख कीजिए। **2**

(ख) पत्रकारिता के क्षेत्र में इंटरनेट तथा ईमेल के महत्व पर टिप्पणी कीजिए। **2**

खण्ड - ग

(विज्ञान की भाषा-हिन्दी)

21. निम्नलिखित शब्दों में से **किन्हीं दो** के अर्थ स्पष्ट कीजिए। **½+½=1**

लवण, वसा, जनन

22. (क) प्राचीन भारत की **किन्हीं दो** वैज्ञानिक उपलब्धियों की संक्षेप में चर्चा कीजिए। **2**

(ख) किन्हीं दो भारतीय वैज्ञानिक संस्थाओं के नाम लिखिए। **2**

23. लोकजीवन में वैज्ञानिक दृष्टि का क्या महत्व है? स्पष्ट कीजिए। **3**

24. जनसंख्या नियंत्रण के उपायों का उल्लेख कीजिए। **4**

अथवा

भारत में जनसंख्या वृद्धि के प्रमुख कारणों पर प्रकाश डालिए।

25. विज्ञान की भाषा की विशेषताएँ बताइए। **3**

- o O o -

इस प्रश्न-पत्र में 30 प्रश्न [खण्ड 'क' (20) + खण्ड 'ख' (5) + खण्ड 'ग' (5)] तथा 8 मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No.
अनुक्रमांक

Code No.
कोड नं. **64/OSS/2**

SET/सेट **B**

HINDI

हिन्दी

(301)

Day and Date of Examination :

(परीक्षा का दिन व दिनांक) ______________________

Signature of Invigilators :

(निरीक्षकों के हस्ताक्षर) 1. ______________________

2. ______________________

सामान्य अनुदेश :

1. परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
2. कृपया प्रश्न-पत्र को जाँच लें कि प्रश्नपत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है। इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।
3. उत्तर-पुस्तिका में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जायेगा।
4. अपनी उत्तर-पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र की कोड संख्या **64/OSS/2-B** लिखें।

HINDI

हिन्दी

(301)

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश : (i) इस प्रश्न–पत्र में **तीन** खण्ड हैं – खण्ड 'क', खण्ड 'ख' और खण्ड 'ग'।

(ii) खण्ड 'क' के **सभी** प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

(iii) खण्ड 'ख' और खण्ड 'ग' में से **केवल एक खण्ड** के प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

(iv) खण्ड 'क' **85** अंकों का और खण्ड **'ख' अथवा** खण्ड **'ग' 15** अंकों का है।

खण्ड - क

1. निम्नलिखित काव्यपंक्तियों में निहित छंद और रस का नाम बताइए। **1+1=2**

बाहिर लैकै दियवा, बारन जाय।

सासुननद ढिग पहुँचत, देत बुझाय।।

2. सन्त काव्यधारा **अथवा** कृष्ण काव्यधारा की **दो** विशेषताएँ बताइए। **2**

3. 'कठपुतली' **अथवा** 'मुझे कदम–कदम पर' कविता का केन्द्रीय भाव लगभग **35 - 35** शब्दों में लिखिए। **2**

4. पठित पाठ के आधार पर आचार्य रामचन्द्र शुक्ल **अथवा** मन्नू भण्डारी की भाषा–शैली की **दो** विशेषताएँ बताइए। **2**

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **35 - 35** शब्दों में दीजिए : **2+2=4**

(क) तुलसीदास की तीन महत्वपूर्ण रचनाओं का उल्लेख करते हुए उनके काव्य के भाव सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए।

(ख) मीरां की भक्ति–भावना पर टिप्पणी कीजिए।

(ग) 'परशुराम के उपदेश' कविता का मूल भाव क्या है?

6. (क) निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **4**

आँधियाँ नहीं जिसमें उमंग भरती हैं,
छातियाँ जहाँ संगीनों से डरती हैं,
शोणित के बदले जहाँ अश्रु बहता है,
वह देश कभी स्वाधीन नहीं रहता है,
पकड़ो अयाल, अन्धड़ पर उछल चढ़ो रे!
किरिचों पर अपने तन का चाम मढ़ो रे!

अथवा

सुनि मुनि बचन राम रुख पाई।
गुरु साहिब अनुकूल अघाई।
लखि अपने सिर सबु छरू भारू।
कहि न सकहिं कछु करहिं बिचारु।।
पुलकि सरीर सभाँ भए ठाढ़े।
नीरज-नयन नेह जल बाढ़े।।
कहव मोर मुनिनाथ निबाहा।
एहि तें अधिक कहौं मैं काहा।
मैं जानउँ निज नाथ सुभाऊ।
अपराधिहु पर कोह न काऊ।।

(ख) निम्नलिखित पंक्तियों का काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए। **2**

जा देखें घिण उपजै,
    नरक कुंड है वास
प्रेम प्रगति तै उधरै
    प्रगट जन रैदास

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का उत्तर लगभग **50 - 50** शब्दों में दीजिए। **3+3=6**

(क) 'दो कलाकार' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'मन में समाहित' 'जीवन की लालसा' मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति है। 'जिजीविषा की विजय' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ के आधार पर उसके शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 4

क्रोध के प्रेरक के दो प्रकार के दु:ख हो सकते हैं अपना दु:ख और पराया दु:ख। जिस क्रोध के त्याग का उपदेश दिया जाता है वह पहले प्रकार के दु:ख से उत्पन्न क्रोध है। दूसरे के दु:ख पर उत्पन्न क्रोध बुराई की हद के बाहर समझा जाता है। क्रोधोत्तेजक दु:ख जितना ही अपने सम्पर्क से दूर होगा, उतना ही लोक में क्रोध का स्वरूप सुन्दर और मनोहर दिखाई देगा।

अथवा

अजीब उलझन थी, पर समाधान क्या था? मैं दोनों को देख रहा था, देखता रहा और तब मेरे मन में आया कि जो परिस्थितियों के अनुसार हिलता, झुकता नहीं, वह वीर नहीं, जड़ है, क्योंकि हिलना और झुकना ही जीवन का चिह्न है।

9. (क) 'विराटा की पद्‌मिनी' उपन्यास की भाषा-शैली पर एक नोट लिखिए। 3

अथवा

'विराटा की पद्‌मिनी' उपन्यास के परिवेश का चित्रण कीजिए।

(ख) 'छोटी रानी' के चरित्र की **तीन** विशेषताएँ लिखिए। 3

10. (क) नायक सिंह की मृत्यु के बाद राजगद्‌दी किसे मिली? 1

(ख) विराटा के पतन के बाद, अलीमदीन द्वारा पीछा किए जाने पर कुमुद ने क्या किया? 1

11. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

चलते चलो, चलते चलो,
सूरज के संग-संग चलते चलो, चलते चलो।
तम के जो बंदी थे, सूरज ने मुक्त किए,
किरणों से गगन पोंछा, धरती को रंग दिए,
सूरज को विजयी मिली ऋतुओं की, रात हुई।
कह दो इन तारों से चंदा के संग-संग चलो, चलते चलो।
रत्नमयी वसुधा पर चलने को चरण दिए
बैठी उस क्षितिज पार लक्ष्मी शृंगार किए।
मानव जिस ओर गया नगर बने, तीर्थ बने।
तुमसे है कौन बड़ा? गगन-सिंधु मित्र बने।
भूमि का भोगो सुख, नदियों का सोम पिओ,
त्यागो सब जीर्ण वसन, नूतन के संग-संग चलो।

(क) कवि क्या करने को कह रहा है? 1

(ख) सूरज ने क्या काम किए हैं? 1

(ग) हमें चरण किसलिए मिले हैं? 1

(घ) मानव जिधर गया उधर उसने क्या किया? 1

(ङ) अंतिम दो पंक्तियों में कवि क्या करने को कहता है? 1

12. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

अपनी कहानियों में प्रेमचंद शहरी शिक्षितों की असभ्यता और ग्रामीण अशिक्षितों की सभ्यता का रहस्य खोलते हैं। उनके स्त्री पात्रों में भी अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की शक्ति, दृढ़ता और चेतना है, जो झुकने को तैयार नहीं। लगभग सौ वर्ष पूर्व लिखी गई कहानियों की ये स्त्रियाँ आज इक्कीसवीं सदी के लिए भी प्रेरक हो सकती हैं। घासवाली कहानी की मुलिया नए युग की स्त्री–स्वतंत्रता और अस्मिता–बोध की तस्वीर है और उच्च वर्ग के पुरुषों के शोषण और अत्याचार तथा कामुकता के विरुद्ध उठ खड़ी होती है। वह ठाकुर को साफ–साफ समझा देती है कि वह दलित है तो इसका यह अर्थ नहीं है कि स्त्री के रूप में उसकी कोई मर्यादा नहीं है। वह बड़े घरों के पुरुषों और स्त्रियों की कलह खोलती है, उसमें भारतीय स्त्रीत्व के प्रति परंपरागत निष्ठा और प्रेम है, पर वह पति की दासी नहीं, समानता का अधिकार रखती है। कहती है – 'यदि वह मेरी छाती पर मूँग दलेगा तो मैं उसकी छाती पर दलूँगी।' उसमें नई और पुरानी नारी का मेल है और दलित स्त्री की एक नई छवि है। दलित अधिकार–चेतना से संपन्न वह नए युग की नई दलित स्त्री है। आज की नारी चेतना और दलितों की अधिकार चेतना के बीज प्रेमचंद की कहानियों में विद्यमान है।

(क) प्रेमचंद अपनी कहानियों में कैसा रहस्य खोलते दिखाई पड़ते है? **2**

(ख) प्रेमचंद के स्त्री–पात्रों की क्या विशेषता है? **2**

(ग) मुलिया को नए युग की स्त्री–स्वतंत्रता की तस्वीर क्यों कहा गया है? **2**

(घ) मुलिया के व्यक्तित्व के दो गुण लिखिए। **2**

(ङ) किस कथन से व्यक्त होता है कि मुलिया पति से समानता का अधिकार रखती है? **2**

(च) इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। **1**

13. जब पहली बार आपने गहरे पानी में नाव से यात्रा की, आपको कैसा लगा? अपने अनुभव संक्षेप में लिखिए। **2**

14. निम्नलिखित विषय में से **किसी एक** का भाव पल्लवन कीजिए। **3**

(क) समाचार पत्र और लोकतन्त्र।

(ख) एकता में बल हैं।

15. निम्नलिखित अवतरण का सार लगभग **एक तिहाई** शब्दों में लिखिए और **एक** शीर्षक भी दीजिए : **3+1=4**

संसार में धर्म की दुहाई सभी देते हैं, पर कितने लोग ऐसे हैं जो धर्म के वास्तविक स्वरूप को पहचानते हैं। धर्म कोई बुरी चीज नहीं है। धर्म की एक ऐसी विशेषता है जो मनुष्य को पशुओं से भिन्न करती है, अन्यथा मनुष्य और पशु में अन्तर ही क्या है? अत: धर्म को समझने की जरूरत है। धर्म में त्याग की महत्ता है। इसमें त्याग और कर्तव्य निहित है। त्याग परिवार के लिए, ग्राम के लिए, नगर के लिए, देश के लिए और मानव मात्र के लिए भी हो सकता है। परिवार से मनुष्य मनुष्य मात्र तक पहुँचते–पहुँचते हम एक संकुचित घेरे से निकल कर विशाल परिधि में घूमने लगते हैं। यही वह क्षेत्र है, यहाँ देश और जाति की सभी दीवारें गिरकर चूर–चूर हो जाती हैं। यह वही क्षेत्र यहाँ मनुष्य संसार भर को अपना परिवार और अपने आपको उसका सदस्य समझने लगता है। भावना के इस विस्तार ने ही धर्म को विस्तार स्वरूप दिया है जिसकी कोई निर्मल हृदयी सन्त ही पहचान कर सकता है।

16. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : **1x5=5**

(क) मिश्र वाक्य बनाइए : **1**

स्वावलंबी व्यक्ति सदा सुखी रहते हैं

(ख) गुदड़ी का लाल **अथवा** घड़ों पानी पड़ना **1**

मुहावरे का अर्थ बताकर वाक्य बनाइए।

(ग) वाह! आप खूब है! किस तरह का वाक्य है? **1**

(घ) किन्हीं **दो** शब्दों को शुद्ध कीजिए। **½+½=1**

वयायाम, चीथड़े, उतीरण, आशीरवाद

(ङ) क्रिया विशेषण पहचानिए : **1**

मोहिनी धीरे धीरे गा रही है

17. प्रारूपण की विशेषताएँ बताइए। **3**

अथवा

प्रतिवेदन के मुख्य तत्व क्या है?

18. पर्यटनशील राज्य हिमाचल प्रदेश में भारतीय एवम् विदेशी पर्यटकों की आमद दी गई है। इन आँकड़ों को उपयुक्त ग्राफ में प्रदर्शित कीजिए। **4**

वर्ष	भारतीय पर्यटक (लाखों में)	विदेशी पर्यटक (लाखों में)
2015	55.3	8.5
2016	60.4	12.6
2017	72.3	14.9
2018	80.9	16.2
2019	82.6	17.1

19. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए : **8**

(क) भारतीय किसान

(ख) आदर्श नागरिक

(ग) महामारी

(घ) वन और हमारा पर्यावरण

20. आप जिस क्षेत्र में रहते हैं वहाँ बिजली की बार-बार कटौती होती है, जिसके कारण पढ़ाई में व्यवधान पड़ता है। किसी दैनिक समाचार पत्र के पत्रस्तंभ 'पाठकों के लिए' में पत्र लिखिए, जिसमें उचित उपाय करने का अनुरोध हो। **4**

खण्ड - ख

(सूचना प्रौद्योगिकी और हिन्दी)

21. निम्नलिखित शब्दों में से **किन्हीं दो** के अर्थ स्पष्ट कीजिए। **½+½=1**

फोटो फीचर, समाचार एजेंसी, कापीराइट

22. संचार क्रान्ति के मुख्य कारणों की संक्षेप में चर्चा कीजिए। **3**

23. (क) फीचर क्या होता है? फीचर किस उद्देश्य से लिखा जाता है? **2**

(ख) लोकतन्त्र के कितने स्तम्भ हैं? चौथा स्तम्भ कौनसा है? **2**

24. (क) यू एन आई क्या है? इसके कार्यों का उल्लेख करें। **2**

(ख) पत्रकारिता के क्षेत्र में इंटरनेट तथा ईमेल के महत्व पर टिप्पणी कीजिए। **2**

25. विज्ञापन किसे कहते हैं? विज्ञापन की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए। **3**

खण्ड-ग

(विज्ञान की भाषा-हिन्दी)

21. निम्नलिखित शब्दों में से **किन्हीं दो** के अर्थ स्पष्ट कीजिए। **½+½=1**

गर्भनिरोध, परजीवी, हिलयम

22. (क) प्राचीन भारत की **किन्हीं दो** वैज्ञानिक उपलब्धियों की संक्षेप में चर्चा कीजिए। **2**

(ख) किन्हीं दो भारतीय वैज्ञानिक संस्थाओं के नाम लिखिए। **2**

23. लोकजीवन में वैज्ञानिक दृष्टि का क्या महत्व है? स्पष्ट कीजिए। **3**

24. जनसंख्या नियंत्रण के उपायों का उल्लेख कीजिए। **4**

अथवा

भारत में जनसंख्या वृद्धि के प्रमुख कारणों पर प्रकाश डालिए।

25. विज्ञान की भाषा और सामान्य भाषा में अंतर बताइए। **3**

- o O o -

इस प्रश्न-पत्र में 30 प्रश्न [खण्ड 'क' (20) + खण्ड 'ख' (5) + खण्ड 'ग' (5)] तथा 8 मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No.
अनुक्रमांक

Code No. **64/OSS/2**
कोड नं.

SET/सेट **C**

HINDI

हिन्दी

(301)

Day and Date of Examination :

(परीक्षा का दिन व दिनांक) ____________________

Signature of Invigilators :

(निरीक्षकों के हस्ताक्षर) 1. ____________________

2. ____________________

सामान्य अनुदेश :

1. परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
2. कृपया प्रश्न-पत्र को जाँच लें कि प्रश्नपत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है। इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।
3. उत्तर-पुस्तिका में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जायेगा।
4. अपनी उत्तर-पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र की कोड संख्या **64/OSS/2-C** लिखें।

HINDI

हिन्दी

(301)

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र में **तीन** खण्ड हैं - खण्ड 'क', खण्ड 'ख' और खण्ड 'ग'।

(ii) खण्ड 'क' के **सभी** प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

(iii) खण्ड 'ख' और खण्ड 'ग' में से **केवल एक खण्ड** के प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

(iv) खण्ड 'क' **85** अंकों का और खण्ड **'ख' अथवा** खण्ड 'ग' **15** अंकों का है।

खण्ड - क

1. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **4**

क्रोध के प्रेरक के दो प्रकार के दु:ख हो सकते हैं अपना दु:ख और पराया दु:ख। जिस क्रोध के त्याग का उपदेश दिया जाता है वह पहले प्रकार के दु:ख से उत्पन्न क्रोध है। दूसरे के दु:ख पर उत्पन्न क्रोध बुराई की हद के बाहर समझा जाता है। क्रोधोत्तेजक दु:ख जितना ही अपने सम्पर्क से दूर होगा, उतना ही लोक में क्रोध का स्वरूप सुन्दर और मनोहर दिखाई देगा।

अथवा

अजीब उलझन थी, पर समाधान क्या था? मैं दोनों को देख रहा था, देखता रहा और तब मेरे मन में आया कि जो परिस्थितियों के अनुसार हिलता, झुकता नहीं, वह वीर नहीं, जड़ है, क्योंकि हिलना और झुकना ही जीवन का चिह्न है।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का उत्तर लगभग **50 - 50** शब्दों में दीजिए। **3+3=6**

(क) 'दो कलाकार' कहानी का उद्‌देश्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'मन में समाहित' 'जीवन की लालसा' मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति है। 'जिजीविषा की विजय' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ के आधार पर उसके शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित काव्यपंक्तियों में निहित छंद और रस का नाम बताइए। **1+1=2**

बाहिर लैकै दियवा, बारन जाय।
सासुननद ढिग पहुँचत, देत बुझाय।।

4. सन्त काव्यधारा **अथवा** कृष्ण काव्यधारा की **दो** विशेषताएँ बताइए। **2**

5. 'कठपुतली' **अथवा** 'मुझे कदम-कदम पर' कविता का केन्द्रीय भाव लगभग **35 - 35** शब्दों में लिखिए। **2**

6. पठित पाठ के आधार पर आचार्य रामचन्द्र शुक्ल **अथवा** मन्नू भण्डारी की भाषा-शैली की **दो** विशेषताएँ बताइए। **2**

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **35 - 35** शब्दों में दीजिए : **2+2=4**

(क) तुलसीदास की तीन महत्वपूर्ण रचनाओं का उल्लेख करते हुए उनके काव्य के भाव सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए।

(ख) मीरां की भक्ति-भावना पर टिप्पणी कीजिए।

(ग) 'परशुराम के उपदेश' कविता का मूल भाव क्या है?

8. (क) निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **4**

आँधियाँ नहीं जिसमें उमंग भरती हैं,
छातियाँ जहाँ संगीनों से डरती हैं,
शोणित के बदले जहाँ अश्रु बहता है,
वह देश कभी स्वाधीन नहीं रहता है,
पकड़ो अयाल, अन्धड़ पर उछल चढ़ो रे!
किरिचों पर अपने तन का चाम मढ़ो रे!

अथवा

सुनि मुनि बचन राम रुख पाई।
गुरु साहिब अनुकूल अघाई।
लखि अपने सिर सबु छरू भारू।
कहि न सकहिं कछु करहिं बिचारु।।
पुलकि सरीर सभाँ भए ठाढ़े।
नीरज-नयन नेह जल बाढ़े।।
कहव मोर मुनिनाथ निबाहा।
एहि तें अधिक कहौं मैं काहा।
मैं जानउँ निज नाथ सुभाऊ।
अपराधिहु पर कोह न काऊ।।

(ख) निम्नलिखित पंक्तियों का काव्य सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए। **2**

जो देषे घिण उपजै,
    नरक कुंड है वास
प्रेम प्रगति तै उधरै
    प्रगट जन रैदास।

9. (क) 'विराटा की पद्‌मिनी' उपन्यास की भाषा-शैली पर एक नोट लिखिए। **3**

अथवा

'विराटा की पद्‌मिनी' उपन्यास के परिवेश का चित्रण कीजिए।

(ख) 'छोटी रानी' के चरित्र की **तीन** विशेषताएँ लिखिए। **3**

10. (क) नायक सिंह की मृत्यु के बाद राजगद्‌दी किसे मिली? **1**

(ख) विराटा के पतन के बाद, अलीमदीन द्वारा पीछा किए जाने पर कुमुद ने क्या किया? **1**

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

अपनी कहानियों में प्रेमचंद शहरी शिक्षितों की असभ्यता और ग्रामीण अशिक्षितों की सभ्यता का रहस्य खोलते हैं। उनके स्त्री पात्रों में भी अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की शक्ति, दृढ़ता और चेतना है, जो झुकने को तैयार नहीं। लगभग सौ वर्ष पूर्व लिखी गई कहानियों की ये स्त्रियाँ आज इक्कीसवीं सदी के लिए भी प्रेरक हो सकती हैं। घासवाली कहानी की मुलिया नए युग की स्त्री-स्वतंत्रता और अस्मिता-बोध की तस्वीर है और उच्च वर्ग के पुरुषों के शोषण और अत्याचार तथा कामुकता के विरुद्ध उठ खड़ी होती है। वह ठाकुर को साफ-साफ समझा देती है कि वह दलित है तो इसका यह अर्थ नहीं है कि स्त्री के रूप में उसकी कोई मर्यादा नहीं है। वह बड़े घरों के पुरुषों और स्त्रियों की कलह खोलती है, उसमें भारतीय स्त्रीत्व के प्रति परंपरागत निष्ठा और प्रेम है, पर वह पति की दासी नहीं, समानता का अधिकार रखती है। कहती है – 'यदि वह मेरी छाती पर मूँग दलेगा तो मैं उसकी छाती पर दलूँगी।' उसमें नई और पुरानी नारी का मेल है और दलित स्त्री की एक नई छवि है। दलित अधिकार-चेतना से संपन्न वह नए युग की नई दलित स्त्री है। आज की नारी चेतना और दलितों की अधिकार चेतना के बीज प्रेमचंद की कहानियों में विद्यमान है।

(क) प्रेमचंद अपनी कहानियों में कैसा रहस्य खोलते दिखाई पड़ते है? **2**

(ख) प्रेमचंद के स्त्री-पात्रों की क्या विशेषता है? **2**

(ग) मुलिया को नए युग की स्त्री-स्वतंत्रता की तस्वीर क्यों कहा गया है? **2**

(घ) मुलिया के व्यक्तित्व के दो गुण लिखिए। **2**

(ङ) किस कथन से व्यक्त होता है कि मुलिया पति से समानता का अधिकार रखती है? **2**

(च) इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। **1**

12. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

चलते चलो, चलते चलो,
सूरज के संग-संग चलते चलो, चलते चलो।
तम के जो बंदी थे, सूरज ने मुक्त किए,
किरणों से गगन पोंछा, धरती को रंग दिए,
सूरज को विजयी मिली ऋतुओं की, रात हुई।
कह दो इन तारों से चंदा के संग-संग चलो, चलते चलो।
रत्नमयी वसुधा पर चलने को चरण दिए
बैठी उस क्षितिज पार लक्ष्मी शृंगार किए।
मानव जिस ओर गया नगर बने, तीर्थ बने।
तुमसे है कौन बड़ा? गगन-सिंधु मित्र बने।
भूमि का भोगो सुख, नदियों का सोम पिओ,
त्यागो सब जीर्ण वसन, नूतन के संग-संग चलो।

(क) कवि क्या करने को कह रहा है? **1**

(ख) सूरज ने क्या काम किए हैं? **1**

(ग) हमें चरण किसलिए मिले हैं? **1**

(घ) मानव जिधर गया उधर उसने क्या किया? **1**

(ङ) अंतिम दो पंक्तियों में कवि क्या करने को कहता है? **1**

13. निम्नलिखित में से **किसी एक** विषय का भाव पल्लवन कीजिए : **3**

(क) धर्म नहीं सिखाता आपस में बैर रखना।

(ख) सेवा ही मानव धर्म है।

14. जब पहली बार आपने गहरे पानी में नाव से यात्रा की, आपको कैसा लगा? अपने अनुभव संक्षेप में लिखिए। **2**

15. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : **1x5=5**

(क) हवा लगना **अथवा** 'लाल पीला होना' मुहावरे का अर्थ बताकर वाक्य में बदलिए :

(ख) वाक्य शुद्ध कीजिए :

ऐसे सोए नहीं जाते।

(ग) सर्वनाम का प्रयोग करें :

रोहित ने किताब ली, रोहित ने अबतक वापिस नहीं दी।

(घ) क्रिया विशेषण बताइए।

हवा मन्द-मन्द गति से चल रही है।

(ङ) वाह! आप खूब हैं। किस तरह का वाक्य है।

16. प्रारूपण की विशेषताएँ बताइए। **3**

अथवा

प्रतिवेदन के मुख्य तत्व क्या है?

17. निम्नलिखित अवतरण का सार लगभग **एक तिहाई** शब्दों में लिखिए और **एक** शीर्षक भी दीजिए : **3+1=4**

संसार में धर्म की दुहाई सभी देते हैं, पर कितने लोग ऐसे हैं जो धर्म के वास्तविक स्वरूप को पहचानते हैं। धर्म कोई बुरी चीज नहीं है। धर्म की एक ऐसी विशेषता है जो मनुष्य को पशुओं से भिन्न करती है, अन्यथा मनुष्य और पशु में अन्तर ही क्या है? अत: धर्म को समझने की जरूरत है। धर्म में त्याग की महत्ता है। इसमें त्याग और कर्तव्य निहित है। त्याग परिवार के लिए, ग्राम के लिए, नगर के लिए, देश के लिए और मानव मात्र के लिए भी हो सकता है। परिवार से मनुष्य मनुष्य मात्र तक पहुँचते-पहुँचते हम एक संकुचित घेरे से निकल कर विशाल परिधि में घूमने लगते हैं। यही वह क्षेत्र है, यहाँ देश और जाति की सभी दीवारें गिरकर चूर-चूर हो जाती हैं। यह वही क्षेत्र यहाँ मनुष्य संसार भर को अपना परिवार और अपने आपको उसका सदस्य समझने लगता है। भावना के इस विस्तार ने ही धर्म को विस्तार स्वरूप दिया है जिसकी कोई निर्मल हृदयी सन्त ही पहचान कर सकता है।

18. पर्यटनशील राज्य हिमाचल प्रदेश में भारतीय एवम् विदेशी पर्यटकों की आमद दी गई है। इन आँकड़ों को उपयुक्त ग्राफ में प्रदर्शित कीजिए। **4**

वर्ष	भारतीय पर्यटक (लाखों में)	विदेशी पर्यटक (लाखों में)
2015	55.3	8.5
2016	60.4	12.6
2017	72.3	14.9
2018	80.9	16.2
2019	82.6	17.1

19. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए : **8**

(क) संसदीय लोकतन्त्र

(ख) महामारी और अर्थव्यवस्था

(ग) सबका है कहना, शिक्षा इन्सान का गहना

(घ) धर्म एवम् राजनीति

20. मेट्रो ट्रेन के विस्तार को बढ़ाने की आवश्यकता से अधिक बड़े-बड़े, पुराने वृक्ष काटे गए है, उनकी पूरी जानकारी देते हुए किसी दैनिक समाचार के संपादक के नाम पत्र लिखकर विरोध प्रकट कीजिए। **4**

खण्ड - ख

(सूचना प्रौद्योगिकी और हिन्दी)

21. (क) फीचर क्या होता है? फीचर किस उद्देश्य से लिखा जाता है? **2**

(ख) अखबार में संपादकीय क्या है? स्पष्ट कीजिए। **2**

22. संचार क्रान्ति के मुख्य कारणों की संक्षेप में चर्चा कीजिए। **3**

23. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** के अर्थ स्पष्ट कीजिए। **$\frac{1}{2}+\frac{1}{2}=1$**

स्पॉट न्यूज, रूपक, स्ट्रिंजर

24. (क) यू.एन.आई. क्या है? इसके कार्यों का उल्लेख कीजिए। **2**

(ख) पत्रकारिता के क्षेत्र में इंटरनेट तथा ईमेल के महत्व पर टिप्पणी कीजिए। **2**

25. विज्ञापन किसे कहते हैं? विज्ञापन की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए। **3**

खण्ड-ग

(विज्ञान की भाषा-हिन्दी)

21. निम्नलिखित शब्दों में से **किन्हीं दो** के अर्थ स्पष्ट कीजिए। **½+½=1**

उपांग, बायोम, वन्यजीवन

22. (क) प्राचीन भारत की **किन्हीं दो** वैज्ञानिक उपलब्धियों की संक्षेप में चर्चा कीजिए। **2**

(ख) किन्हीं दो भारतीय वैज्ञानिक संस्थाओं के नाम लिखिए। **2**

23. लोकजीवन में वैज्ञानिक दृष्टि का क्या महत्व है? स्पष्ट कीजिए। **3**

24. कंप्यूटर की विशेषताएँ बताइए। **3**

25. जनसंख्या नियंत्रण के उपायों का उल्लेख कीजिए। **4**

अथवा

भारत में जनसंख्या वृद्धि के प्रमुख कारणों पर प्रकाश डालिए।

- o O o -